महत्वपूर्ण एवं खास

अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई सिटी बस

दुर्ग (आरएनएस)। जिले के भिलाई पंथी चौक में दुर्ग से उतई सेलुद होते हुए पाटन जाने वाली सिटी बस पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में दो यात्रियों को मामूली चोट आई है। हादसे के वक्त बस में 40 यात्री सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही भिलाई नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचा। मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार को बचाने की कोशिश में सिटी बस अनियंत्रित हो गई और सड़क से नीचे उतर कर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में बस सवार दो यात्री घायल हो गए, जिन्हे इलाज के लिए अस्ताल भेजा गया है। वहीं बस में सवार अन्य यात्रियों को दूसरी बस में शिफ्ट करके रवाना किया गया है।

एंबुलेंस व बोरवल खनन वाहन की टक्कर में तीन की मौत

कोंडागांव (आरएनएस)। जिले के हांडीगांव में शनिवार को एंबुलेंस व बोरवेल वाहन की जबरदस्त भिड़ंत में तीन लोगों की मौत हो गई वहीं एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार जिले के हांडीगांव जगदलपुर से माकड़ी की ओर जा रही एंबुलेंस और सामने से आ रहे नलकूप खनन वाहन की आमने सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि एंबुलेंस में बैठे चार लोगों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई वहीं एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। फिलहाल हादसे के शिकार लोगों की पहचान नहीं हो पाइअ है पुलिस मृतकों व घायलों की पहचान में जुटी है। घायल को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

रायपुर एम्स के निदेशक का इस्तीफा मंजूर, नोटिस पीरियड पर कर रहे थे काम

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डायरेक्टर डा. नितिन एम नागरकर का इस्तीफा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंजूर कर लिया है। एम्स प्रबंधन को अभी तक नए निदेशक या प्रभारी निदेशक के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली है। एम्स के डाक्टरों और कर्मचारियों ने डा. नितिन एम नागरकर को विदाई दी। गौरतलब है कि डा. नितिन एम नागरकर का कार्यकाल अगस्त 2023 तक था लेकिन इससे पहले 31 दिसंबर को उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को इस्तीफा भेज दिया। उन्होंने इस्तीफे की कोई खास वजह नहीं बताई थी। अभी तक वे नोटिस पीरियड पर काम कर रहे थे। एम्स की स्थापना वर्ष-2012 के समय से सेवाएं दे रहे डा. नागरकर का कार्यकाल 10 साल से ज्यादा हो गया था। वर्ष-2018 में उनका कार्यकाल पांच साल के लिए बढ़ाया गया था। गौरतलब है कि डा. नितिन एम नागरकर एम्स के संस्थापक निदेशक हैं। निदेशक डा. नितिन एम. नागरकर का कहना है कि घर में कोई डाक्टर नहीं है। पिताजी, चाचा, भाई समेत परिवार में सभी इंजीनियर हैं। उनका भी मन था कि वह इंजीनियर बने, लेकिन दादी ने कहा कि डाक्टर बनना है। जिसके बाद डाक्टर बने।

वन विभाग ने की अपील, हरेली त्योहार में सी-मार्ट से गेड़ी खरीदें

दुर्ग (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा छग सांस्कृतिक धरोहर को सहेजकर रखने छत्तीसगढ़ी संस्कृति में वर्ष के प्रथम त्यौहार के रूप में हरेली का बहुत महत्व है। इस अवसर पर प्रदेश के लोगों द्वारा गेड़ी की पूजा की जाती है एवं गेड़ी नृत्य किया जाता है जिसमें बड़ो के साथ - साथ बच्चे भी हिस्सा लेते हैं । गेड़ी के इस महत्व एवं मांग को देखते हुए बसोड़ों द्वारा इस त्यौहार पर बड़ी मात्रा में इसका निर्माण कर विक्रय किया जाता है। इन बसोड़ों को बांस वन विभाग द्वारा डिपो के माध्यम से प्रदाय किया जाता है। चूंकि बसोड़ों की सीमित संख्या एवं बाजार की अनुपलब्धता के कारण गेडिय़ां अधिकांश लोगों को उपलब्ध नहीं हो पाती।

छत्तीसगढ़ को मिला पृथ्वी अवॉर्ड्स 2023 : महिला स्व-सहायता समूहों और छत्तीसगढ़ वनोपज संघ को मिला ईएसजी के क्षेत्र में सम्मान

- सुशासन और महिला सशक्तिकरण के लिए पृथ्वी अवॉर्ड्स से सम्मानित हुआ छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ
- आर्थिक स्तर में सतत् विकास में योगदान हेतु कवर्धा और बस्तर के स्व-सहायता समूह हुए सम्मानित

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को वैश्विक स्तर पर ईएसजी यानी पर्यावरण, सामाजिक कल्याण और सुशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सरकारी श्रेणी अंतर्गत पृथ्वी अवॉर्ड्स 2023 से नवाजा गया। यह पुरस्कार भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्री अर्जुन मेघवाल द्वारा प्रदान किया गया। इस दौरान प्रदेश में ग्रामीण विकास और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए, एनजीओ-स्वयंसेवक श्रेणी में राज्य के दो स्व-सहायता समूह को भी सम्मानित किया गया। कवर्धा जिले से जुनवानी गांव के जय बुढ़ा देव स्व-सहायता समूह और बस्तर जिले के आसना गाँव के वर्षा स्व-सहायता समूह को सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली में 14 और 15 जुलाई को आयोजित ईएसजी ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में पृथ्वी अवॉर्ड्स ईएसजी रिसर्च फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया है, जो भारत में ईएसजी अनुपालन के लिए एक सराहनीय पहल है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ लगातार आदिवासी ग्रामीण अंचलों में वनोपज के माध्यम से रोजगार मूलक गतिविधियां कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है। करीब 100 से अधिक वन उत्पादों को छत्तीसगढ़ हर्बल्स का ब्रांड नाम दिया गया। वन-धन केंद्रों के माध्यम से छत्तीसगढ़ के वनांचलों से निकले जैविक शुद्धता वाले तमाम प्रोडक्ट्स के रूप में घरों तक पहुंच रहे हैं। ग्रामीण महिलाएं वनोपज आधारित आर्थिक विकास का मॉडल बनाने में लगातार शासन-प्रशासन के साथ आगे आ रही हैं।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का जरिया बनी बस्तर की इमली- बस्तर के एक छोटे से गांव आसना के वर्षा स्व-सहायता समूह ने अथक प्रयासों से अपने क्षेत्र की स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी प्रभावित किया और सशक्त बनाने की दिशा में अग्रसर रहीं कुल 10 महिला स्व-सहायता समूहों के साथ 104 सदस्यों की एक इकाई वन धन योजना अंतर्गत कार्यरत है।

इमली की प्राथमिक प्रसंस्करण गतिविधि से स्थानीय आबादी को 23 लाख रुपये से अधिक आय प्राप्त हुई है। वर्षा एसएचजी की गतिविधि से 3000 से अधिक स्थानीय वनवासी लाभान्वित हुए हैं। स्थानीय लोगों से 4,500 क्विंटल इमली की खरीद से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में 1.54 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है और इसके परिणामस्वरूप स्थानीय लोगों की वित्तीय और सामाजिक स्थिति में वृद्धि हुई।

कवर्धा के जय बुढ़ा देव स्व-सहायता समूह ने मोटे अनाज को दी नई पहचान- जयबुढ़ा देव स्व-सहायता समूह 10 समूहों के अंतर्गत 244 सदस्यों की इकाई है, जो मोटे अनाज यानि अन्न के उत्पादन और प्राथमिक प्रसंस्करण के लिए कार्यरत है। बीते साल जय बुढ़ा स्व-सहायता समूह ने 30 से 33 रूपए प्रति किलो की दर से करीब 8187 क्विंटल मोटे अनाज की खरीदी की और प्रसंस्कृत किया। इसके परिणामस्वरूप स्थानीय किसानों को 2.45 करोड़ रुपये का वित्तीय पारिश्रमिक प्राप्त हुआ।

वनांचलों में ग्रामीण आजीविका का तेजी से विस्तार कर रहा छत्तीसगढ़ हर्बल्स- प्रदेश के वनांचलों में ग्रामीण विकास और उत्थान के लिए कार्य किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ अंतर्गत छत्तीसगढ़ हर्बल्स के प्रोडक्ट्स स्थानीय संजीवनी स्टोर, सी-मार्ट और ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर भी उपलब्ध हैं। यहां न केवल सर्वश्रेष्ठ हर्बल, आयुर्वेदिक और पर्सनल केयर के प्रोड्क्ट्स बनाए जा रहे हैं, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं और आदिवासी परिवारों को सशक्त बनाना है। इससे न सिर्फ वनोपजों को नई पहचान मिली है, बल्कि पूरा छत्तीसगढ़ आदिवासी महिलाओं और उनके परिवारों के स्वाभिमान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिख रहा है।

गौठानों में मछली पालन कर समृद्ध हो रहीं समूह की महिलाएं

- आर्थिक स्थिति में सुधार होने से परिवार में आई खुशहाली

रायपुर (आरएनएस)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी ग्राम सुराजी योजना ग्रामीण जनजीवन के लिए नई दिशा लेकर आई है। इसके तहत नरवा, गरूवा, घुरूवा एवं बाड़ी योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ महिलाओं में नया आत्मविश्वास भी जगा रही है। गरूवा योजना के तहत निर्मित गौठानों में चल रही आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने से ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। गौठानों में चल रहे मछली पालन का कार्य समूह की महिलाओं के लिए स्वरोजगार का महत्वपूर्ण जरिया बन गया है। मछली पालन के व्यवसाय से हो रही निरंतर आमदनी से इन महिलाओं की आर्थिक स्थिति में आशातीत सुधार हुआ है, जिससे उनके परिवार में खुशहाली आई है। गांवों में स्थापित गौठान पशुधन संरक्षण, संवर्धन, वर्मी कम्पोस्ट एवं कीटनाशक दवाईयों, गोबर पेंट आदि के निर्माण के साथ सब्जी उत्पादन जैसे अनेक आजीविकामूलक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वरोजगार प्रदान करने का कारगर माध्यम बन गए हैं। इसी कड़ी में बालोद जिले के गुरूर विकासखण्ड के जेवरतला, भानपुरी एवं डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के खपराभाट एवं नंगूटोला गौठानों में स्वसहायता समूह की महिलाएं मछली पालन कर आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहीं है। गुरूर विकासखंड के ग्राम जेवरतला गौठान के डबरी के 0.162 हेक्टेयर(40 डिसमिल) में जलक्षेत्र में जय मां दुर्गा स्व-सहायता समूह के 13 महिलाओं के द्वारा मछली पालन का कार्य किया जा रहा है। इन महिलाओं के द्वारा अब तक गौठान की डबरी से कुल 472 किलोग्राम मछली को प्रति किलो 150 रुपये की दर से कुल 70 हजार 800 रुपये में बिक्री की गई है। जिससे इन महिलाओं को 52 हजार 330 रुपये की शुद्ध आमदनी हुई है। इसी तरह से मछली पालन के व्यवसाय में लगी मां दुर्गा स्वसहायता समूह की महिलाओं को 4025 रुपये की आमदनी हुई है। डौडीलोहारा विकासखंड के ग्राम खपराभाट गौठान में निर्मित डबरी में जय शीतला स्वसहायता समूह की 12 महिलाओं द्वारा मछली पालन किया जा रहा है। इन महिलाओं के द्वारा अब तक कुल 375 किलोग्राम मछली को 150 रुपये प्रति किलो की दर से कुल 56 हजार 250 रुपये में बिक्री किया है। जिससे उन्हें 39 हजार 900 रुपये की आमदनी हुई है। इसी तरह जय शीतला स्वसहायता समूह की महिलाओं को 3325 रुपये की शुद्ध आमदनी प्राप्त हुई है। डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम नंगुटोला गौठान में निर्मित डबरी में मछली पालन कर गंगा मैय्या स्वसहायता समूह की महिलाओं ने कुल 55 हजार 800 रुपये में बिक्री की है। जिससे उन्हें 40 हजार 290 रुपये की आमदनी हुई है। गुरूर विकासखण्ड के जय मां दुर्गा स्वसहायता समूह ग्राम जेवरतला के सक्रिय सदस्य फूलेश्वरी बाई ने मछली पालन से समूह की महिलाओं के जीवन में आए बदलाव की जानकारी देते हुए बताया कि मछली पालन का कार्य गांव की महिलाओं के लिए स्वरोजगार का प्रमुख माध्यम बन गया है। गौठान में मछली पालन व्यवसाय शुरू होने से उनके लिए स्वरोजगार का फायदेमंद जरिया मिल गया है।

आर्थिक तंगी से परेशान व्यक्ति ने दी जान

दुर्ग (आरएनएस)। जिले में आर्थिक तंगी से परेशान एक 43 साल के युवक ने अपने घर में फ ांसी लगा ली। घर वालों ने बताया कि एक दिन पहले राशन लाने के लिए उसने अपने ठेकेदार से एडवांस रकम मांगी थी जिसे ठेकेदार ने पैसे देने से मना कर दिया था। अगली सुबह उसकी लाश घर की परछी में लटकी हुई मिली। जामुल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार भिलाई के जामुल थाना क्षेत्र के शवांस होटल के पीछे नाकापारा में रहने वाले उत्तम साहू पिता शिवराम साहू ने अपने घर में फ ांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पत्नी ने मामले में पुलिस को बताया कि उत्तम हथखोज इंडस्ट्रियल एरिया में मयूरा कंपनी में काम करता है। वो लेबर ठेकेदार विनीत के अंडर में काम करता था। जितना भुगतान ठेकेदार करता था उससे घर चलाना मुश्किल हो रहा था। उसने किसी तरह अपनी बड़ी बेटी ज्योति की शादी कर दी थी। घर में बेटा जितेंद्र (23 साल) उत्तम और उसकी पत्नी रहते थे। पिछे कुछ दिन से घर में राशन खत्म था। इसे लेकर उत्तम काफी परेशान चल रहा था। गणेशिया के मुताबिक उसने शुक्रवार को लेबर ठेकेदार विनीत को फ ोन करके 5 हजार रुपए एडवांस मांगा था। ठेकेदार ने रुपए देने से मना कर दिया। इसके बाद से वो काफी परेशान था तथा शुक्रवार रात सभी लोग जब खाना खाकर कमरे में सोने चले गए तब रात 2-7 बजे के बीच उत्तम ने घर के बाहर परछी में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

अधिकारी ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में निको कंपनी में अधिकारी के पद पर कार्यरत एक व्यक्ति ने खुद को गोली मारकर आत्यहत्या कर ली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। फिलहाल आत्यहत्या का कारण पता नही चला है।

मिली जानकारी के अनुसार भनपुरी के धनलक्ष्मी नगर में रहने वाले आलोक सिंह(45 वर्ष) ने शुक्रवार को अपने घर पर अपनी लाईसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली। इस हादसे में आलोक सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के वक्त मृतक आलोक सिंह की पत्नी घर पर ही थी वह गोली चलने की आवाज सुनकर कमरे के अंदर गई तो देखा की पति लहुलुहान पड़ा था। बदहवास हालत में पत्नी ने इसकी सूचना आसापास के लोगों को दी जिन्होंने इसकी सूचना खमतराई पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। जांच में पता चला है कि मृतक आलोक ने जिस रिवाल्वर से अपनी जान ली वह लाईसेंसी थी जो कि उत्तर प्रदेश से खरीदी गई थी तथा उत्तर प्रदेश का लाईसेंस तथा जिसे छत्तीसगढ़ ट्रांसफर किया गया था।

बताया जाता है कि मृतक ने घटना के दो दिन पहले ही अपनी कंपनी से इस्तीफा दिया था हालांकि आत्महत्या के कारण का पता नही चला है किंतु बताया जा रहा है कि मामला कुछ लेन-देन का है वहीं मृतक वर्कलोड से भी परेशान था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अंतागढ़ से रायपुर तक नई पैसेंजर ट्रेन शुरू कराने के बाद सांसद मोहन मंडावी का दल्लीराजहरा आगमन पर राजहरा व्यापारी संघ ने स्वागत किया

दल्लीराजहरा (आरएनएस)। वर्षों से लौह अयस्क नगरी में राज्य व केंद्र सरकार से मिलने वाली नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के लिए सार्थक प्रयास करने तथा नगर की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव अग्रणी भूमिका निभाने वाली राजहरा व्यापारी संघ दल्लीराजहरा की बहुप्रतीक्षित मांगों में से एक नई ट्रेन डेमू पैसेंजर 78834 अंतागढ़ से रायपुर व डेमू पैसेंजर सेवा 78833 रायपुर से अंतागढ़ की मांग को सांसद द्वारा पूरा कराने के पश्चात कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद मोहन मंडावी का 13 जुलाई सिंधु भवन दल्लीराजहरा में आगमन हुआ। जहां राजहरा व्यापारी संघ द्वारा सांसद मोहन मंडावी का स्वागत ,अभिनंदन व आभार प्रदर्शन का कार्यक्रम आयोजित गया था। सर्वप्रथम सांसद मंडावी सहित मंचस्थ अतिथियों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत व अभिनंदन व्यापारी संघ अध्यक्ष गोविंद वाधवानी सहित व्यापारियों द्वारा किया गया साथ ही मंडावी को प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। इस कार्यक्रम में भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ तथा दल्लीराजहरा के व्यापारी संघ के पदाधिकारी व सदस्य व गणमान्य नागरिक काफी संख्या में उपस्थित थे। सांसद मंडावी के साथ कार्यक्रम में गुंडरदेही के पूर्व विधायक राजेंद्र राय, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद जैन गुण्डरदेही भी पहुंचे थे।

राशन कार्ड की केवाईसी : बच्चों-बुजुर्गों का थंब इंप्रेशन काम नहीं कर रहा, नहीं मिलेगा खाद्यान्न

रायपुर (आरएनएस)। राज्य सरकार से फरमान जारी होने के बाद अब राशनकार्ड धारी परिवार सहित फिंगरप्रिंट लगाने के लिए पहुंच रहे हैं. इसमें समस्या यह आ रही है कि बच्चों व बुजुर्गों की अंगुलियों को मशीन स्वीकृत नहीं कर रहा है।

वजह यह है कि पांच वर्ष के बाद बच्चों की अंगुली के निशान बदल गए हैं, तो बुजुर्गों की घिस गई है.

ऐसे में ई-केवाईसी कराने से पहले ऐसे लोगों को आधार कार्ड में अपडेट करवाना पड़ रहा है. यदि राशन दुकान में किसी भी सदस्य का फिंगरप्रिंट नहीं स्वीकृत होता है, तो वह राशन लेने के लिए मान्य नहीं होगा. यानी उसका नाम राशन कार्ड में ऑनलाइन नहीं दिखेगा और न ही उस सदस्य के नाम से राशन जारी होगा.

ई केवाईसी के दो माह बाद नए सिस्टम से आवंटन किया जाएगा. ई केवाईसी सभी राशन दुकानों में हो रहा है. इसके लिए राशन कार्ड में दर्ज नाम सभी सदस्य अपना आधार कार्ड व राशन कार्ड लेकर जा रहे हैं. फिंगरप्रिंट यदि मशीन स्वीकृत नहीं करता है तो फिर आधार केंद्र में अपडेट कराना पड़ रहा है. एक जून से अब तक 1 करोड़ सदस्यों का ई-केवाईसी हो पाया है. जिला खाद्य अधिकारी कार्यालय के अनुसार प्रदेश 74 लाख 78 हजार 646 कार्डधारी है. 2 करोड़ 66 लाख 26 हजार 932 सदस्य हैं, जिसमें से तकरीबन 1 लाख 80 हजार 63 सदस्यों का ई केवाईसी हुआ है. रायपुर में 21 लाख 12 हजार 539 सदस्यों मे सिर्फ 2 लाख 15 हजार 070 का ही केवाईसी हो पाया है. फिलहाल सरकार ने ई केवाईसी के लिए 31 सितंबर अंतिम तिथि निर्धारित की है. इधर सरकार के फरमान के बाद आधार कार्ड में अपडेट कराने के लिए लोग आधार केंद्रों के चक्कर लगा रहे हैं. लेकिन थंब इम्प्रेशर के चलते परेशानी बढ़ गई है.

सभी राशन दुकानों में ई-केवाईसी किया जा रहा है. सभी सदस्यों को वेरीफिकेशन कराना अनिवार्य है. बिना ई-केवाईसी के राशन आवंटित नहीं होगा यानी सरकारी खाद्यान्न से वंचित हो सकते हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुर्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा अधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करवायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

शा.उ.मा.वि.सोंडका, खरसिया में मतदाता जागरूकता अभियान संपन्न

रायगढ़। मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप) अंतर्गत आज विधानसभा क्षेत्र खरसिया में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोंडका में आज मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। जिसमें हायर सेकेंडरी सोंडका के सभी अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने अपनी भागीदारी निभाई। निकट के 10 ग्राम पंचायत सोंडका,जैमूरा,पंडरीपानी,बसनाझर,टेमटेमा,करूमौहा, खैरपाली,कुनकुनी,चपले,सोनबरसा के बीएलओ कार्यक्रम में उपस्थित थे और उन्होंने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 48 नवीन मतदाताओं का मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम में चिन्ह अंकित किये।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में हायर सेकेंडरी के छात्र-छात्राओं एवं नवीन मतदाताओं को संबोधित करते हुए सह सहायक निर्वाचन एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार खरसिया के द्वारा मतदाता के अधिकार एवं कर्तव्य के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही उन्होंने मतदान का प्रयोग अनिवार्य रूप से किये जाने का संदेश दिया। विकास खंड शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार देवांगन के द्वारा लोकतंत्र एवं लोकतंत्र में मतदान के महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। उपस्थित छात्र-छात्राओं ने लोकतंत्र एवं लोकतंत्र में मतदान के महत्व विषय पर चर्चा में उत्साह के साथ भाग लिए एवं कुछ जिज्ञासा के प्रश्न भी इस मंच पर साझा किये, जिनके उत्तर पाकर छात्र संतुष्ट हुए।

विकासखंड स्तरीय मध्यान्ह भोजन नोडल अधिकारी गुलाब सिंह कंवर ने स्व.रचित कविता के माध्यम से मतदाता जागरूकता संबंधी संदेश दिए, स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रदीप कुमार साहू (बीआरसीसी) खरसिया के द्वारा नए मतदाताओं के चिन्ह अंकन एवं सुगम मतदान पर विस्तृत चर्चा कर अपने विचार रखे, सभी बूथ लेवल ऑफिसर को उन्होंने एक भी नए मतदाता पंजीयन से ना छूटे इस हेतु विशेष ध्यान से नए मतदाताओं का चिन्ह अंकन एवं पंजीयन करने की बात कही।

आज के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में सह सहायक निर्वाचन एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार खरसियाए विकास खंड शिक्षा अधिकारी खरसिया, स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रदीप कुमार साहू बीआरसीसी खरसिया, बिहान कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रशांत सिंह, मध्यान भोजन ब्लॉक नोडल अधिकारी गुलाब सिंह कंवर जी,सोनम साव (शिक्षिका) उपस्थित थे। कार्यक्रम को संपन्न कराने में प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोंडका का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।